राष्ट्रीय
सहारा

कानपुर • बुधवार • 1 फरवरी • 2023

सीएसए में अभिभावकों को दिये गये बच्चों में रचनात्मकता बढ़ाने के टिप्स

ापुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के मानव विकास महाविद्यालय त्वावधान में अभिभावकों के लिए 'अपने वच्चों में रचनात्मकता दक्षता वढ़ाएं' विषयक शाला का आयोजन किया गया। मवि की अधिष्ठाता डॉ. मुक्ता गर्ग ने वच्चों के जीवन नात्मकता के महत्व को इंगित किया। वीएससी सातवें सेमेस्टर की छात्राओं ने पोस्टर ाध्यम से अभिभावकों को रचनात्मकता के विभिन्न आयामों की जानकारी दी व ात्मकता के प्रोत्साहन में मातापिता की महत्वपूर्ण भूमिका के वारे में वताया। संवंधित त्य का वितरण भी किया गया।अभिभावकों को वताया गया कि रचनात्मकता न केवल ों की पढ़ाई, खेलकूद एवं कैरियर वनाने मे सहायक होती है, अपितु वह वालकों को र्रा के जीवन की समस्याओं का हल निकालने एवं कार्यकुशल वनाने में सहायता करती कहा गया कि वच्चों को प्रश्न पूछने से न रोकें और उन्हें घर पर विभिन्न रंगों, खिलौनों व र पड़ी चीजों से नये प्रयोग करने दें। विभाग की शिक्षिका डॉ.मधुलिका शर्मा, नर्सरी िका रेनू, डॉ. सुमेधा, सुमन व पूजा ने आयोजन में सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया। क्रम में एमएससी व पीएचडी की छात्राओं ने भी भागीदारी की।

छात्र.छात्राओं की रचनात्मक दक्षता बढ़ाने हेतु हुई कार्यशाला

स्वतंत्र भारत संवाददाता कानपुर । सीएसए कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में मानव विकास महाविद्यालय द्वारा अभिभावकों के लिए ष्अपने बच्चे में रचनात्मकता दक्षता बढ़ाएं विषय नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला का आरंभ महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ मुक्ता गर्ग के आशीर्वचनों से हुआ। उन्होंने बच्चों के जीवन में रचनात्मकता के महत्व को उजागर किया।बीएससी सातवें सेमेस्टर की छात्राओं पोस्टर के माध्यम से अभिभावकों को रचनात्मकता के विभिन्न आयामों को बताते हुए बच्चों में रचनात्मकता के प्रोत्साहन में माता.पिता की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया एवं संबंधित फोल्डरों का वितरण किया। उन्होंने बताया कि रचनात्मकता न केवल बच्चों की पढ़ाई खेलकूद एवं कैरियर बनाने में सहायक होती है। अपितु वह बालकों के रोजमर्रा के जीवन की समस्याओं का हल निकालने एवं कार्य कुशल बनाने में भी सहायता करती है। बच्चों को प्रश्न पूछने से न रोके और उन्हें घर पर विभिन्न रंगोंए खिलौनों और बेकार पड़ी चीजों से नए प्रयोग करने दें। विभाग की शिक्षिका डॉ मधुलिका शर्मा ने कार्यक्रम के अंत में सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में नर्सरी शिक्षिका श्रीमती रेनू एवं विभाग की शिक्षिका डॉ सुमेधा की विशेष भूमिका रही । इस अवसर पर श्रीमती सुमनए पूजाए एमएससी एवं पीएचडी की छात्राएं भी उपस्थित रही।

बच्चों में पढ़ाई के साथ खेलकूद भी जरूरी

रचनात्मक दक्षता बढ़ाने पर दी गईं जानकारियां

कानपुर, 31 जनवरी। चंद्रशेखर कृषि एवं प्रौद्योगिकि विश्वविद्यालय कानपुर के के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में मानव विकास महाविद्यालय की ओर अभिभावकों के लिए अपने बज्चे में रचनात्मकता दक्षता बढ़ाएं विषय नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ मुक्ता गर्ग ने बज्चों के जीवन में रचनात्मकता के महत्व को उजागर किया। बीएससी सातवें सेमेस्टर की छात्राओं ने पोस्टर के माध्यम से अभिभावकों को रचनात्मकता के विभिन्न आयामों को बताते हुए बज्चों में रचनात्मकता के प्रोत्साहन में माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया एवं संबंधित फोल्डरों का वितरण किया। उन्होंने बताया कि रचनात्मकता न केवल बज्चों की पढ़ाई खेलकूद एवं कैरियर बनाने में सहायक होती है। अपितु वह बालकों के रोजमर्रा के जीवन की समस्याओं का हल निकालने एवं कार्य कुशल बनाने में भी सहायता करती है। बज्चों को प्रश्न पूछने से न रोके और उन्हें घर पर विभिन्न रंगों, खिलौनों और बेकार पड़ी चीजों से नए प्रयोग करने दें। विभाग की शिक्षिका डॉ. मधुलिका शर्मा ने कार्यक्रम के अंत में सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में नर्सरी शिक्षिका श्रीमती रेनू एवं विभाग की शिक्षिका डॉ सुमेधा की विशेष भूमिका रही । इस अवसर पर श्रीमती सुमन, पूजा, एमएससी एवं पीएचडी की छात्राएं भी उपस्थित रही।

कार्यक्रम में शामिल मुख्य अतिथि व छात्राएं।

देश में बिना डरे फैसले लेने वाली सरकार... 12

मानक अनुसार ही बैंड व डीजे बजाए संचालक... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्षः 14 | अंकः 111
मूल्यः ₹ 3.00/-
पेज : 12
बुधवार | 01 फरवरी, 2023

बच्चों में रचनात्मक दक्षता बढ़ाने पर दिया गया जोर

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में मंगलवार को मानव विकास महाविद्यालय द्वारा अभिभावकों के लिए अपने बच्चे में रचनात्मकता दक्षता बढ़ाएं विषय नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ.मुक्ता गर्ग ने किया। उन्होंने बच्चों के जीवन में रचनात्मकता के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम में बीएससी सातवें सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा पोस्टर के माध्यम से अभिभावकों को रचनात्मकता के विभिन्न आयामों को बताते हुए बच्चों में रचनात्मकता के प्रोत्साहन में माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया गया। विभाग की शिक्षिका डॉ. मधुलिका शर्मा ने सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में नर्सरी शिक्षिका रेनू एवं विभाग की शिक्षिका डॉ. सुमेधा की विशेष भूमिका रही। सुमन, पूजा सहित एमएससी एवं पीएचडी की छात्राएं मौजूद रहीं।

छात्र-छात्राओं की रचनात्मक दक्षता बढ़ाने हेतु हुई कार्यशाला

कानपुर । सीएसए कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में मानव विकास महाविद्यालय द्वारा अभिभावकों के लिए अपने बच्चे में रचनात्मकता दक्षता बढ़ाएं विषय नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला का आरंभ महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ मुक्ता गर्ग के आशीर्वचनों से हुआ। उन्होंने बच्चों के जीवन में रचनात्मकता के महत्व को उजागर किया।बीएससी सातवें सेमेस्टर की छात्राओं पोस्टर के माध्यम से अभिभावकों को रचनात्मकता के विभिन्न आयामों को बताते हुए बच्चों में रचनात्मकता के प्रोत्साहन में माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया एवं संबंधित फोल्डरों का वितरण किया। उन्होंने बताया कि रचनात्मकता न केवल बच्चों की पढ़ाई खेलकूद एवं कैरियर बनाने में सहायक होती है। अपितु वह बालकों के रोजमर्रा के जीवन की समस्याओं का हल निकालने एवं कार्य कुशल बनाने में भी सहायता करती है। बच्चों को प्रश्न पूछने से न रोके और उन्हें घर पर विभिन्न रंगों, खिलौनों और बेकार पड़ी चीजों से नए प्रयोग करने दें। विभाग की शिक्षिका डॉ0 मधुलिका शर्मा ने कार्यक्रम के अंत में सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में नर्सरी शिक्षिका श्रीमती रेनू एवं विभाग की शिक्षिका डॉ0 सुमेधा की विशेष भूमिका

अदालती नोटिस

रचनात्मक दक्षता बढ़ाने हेतु कार्यशाला आयोजित

कानपुर। चंद्रशेखर कृषि एवं प्रौद्योगिकि विश्वविद्यालय कानपुर के के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में मानव विकास महाविद्यालय द्वारा अभिभावकों के लिए अपने बच्चे में रचनात्मकता दक्षता बढ़ाएं विषय नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला का आरंभ महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. मुक्ता गर्ग के आशीर्वचनों से हुआ। उन्होंने बच्चों के जीवन में रचनात्मकता के महत्व को उजागर किया। बीएससी सातवें सेमेस्टर की छात्राओं ने पोस्टर के माध्यम से अभिभावकों को रचनात्मकता के विभिन्न आयामों को बताते हुए बच्चों में रचनात्मकता के प्रोत्साहन में माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया एवं संबंधित फोल्डरों का वितरण किया। उन्होंने बताया कि रचनात्मकता न केवल बच्चों की पढ़ाई खेलकूद एवं कैरियर बनाने में सहायक होती है। अपितु वह बालकों के रोजमर्रा के जीवन की समस्याओं का हल निकालने एवं कार्य कुशल बनाने में भी सहायता करती है। बच्चों को प्रश्न पूछने से न रोके और उन्हें घर पर विभिन्न रंगों, खिलौनों और बेकार पड़ी चीजों से नए प्रयोग करने दें। विभाग की शिक्षिका डा. मधुलिका शर्मा ने कार्यक्रम के अंत में सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में नर्सरी शिक्षिका श्रीमती रेनू एवं विभाग की शिक्षिका डॉ0 सुमेधा की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर श्रीमती सुमन, पूजा, एमएससी एवं पीएचडी की छात्राएं भी उपस्थित रही।

रचनात्मकता दक्षता कार्य कुशल बनाने में भी सहायता करती

छात्र-छात्राओं की रचनात्मक दक्षता बढ़ाने हेतु हुई कार्यशाला

डीटीएनएन

चंद्रशेखर कृषि एवं प्रौद्योगिकि विश्वविद्यालय कानपुर के के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में मानव विकास महाविद्यालय द्वारा अभिभावकों के लिए छअपने बच्चे में रचनात्मकता दक्षता बढ़ाएं विषय नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला का आरंभ महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ मुक्ता गर्ग के आशीर्वचनों से हुआ। उन्होंने बच्चों के जीवन में रचनात्मकता के महत्व को उजागर किया।बीएससी सातवें सेमेस्टर की छात्राओं ने पोस्टर के माध्यम से अभिभावकों को रचनात्मकता के विभिन्न आयामों को बताते हुए बच्चों में रचनात्मकता के प्रोत्साहन में माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया एवं संबंधित फोल्डरों का वितरण किया। उन्होंने बताया कि रचनात्मकता न केवल बच्चों की पढ़ाई खेलकूद एवं कैरियर बनाने में सहायक होती है। अपितु वह बालकों के रोजमर्रा के जीवन की समस्याओं का हल निकालने एवं कार्य कुशल बनाने में भी सहायता करती है। बच्चों को प्रश्न पूछने से न रोके और उन्हें घर पर विभिन्न रंगों, खिलौनों और बेकार पड़ी चीजों से नए प्रयोग करने दें। विभाग की शिक्षिका डॉ0 मधुलिका शर्मा ने कार्यक्रम के अंत में सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में नर्सरी शिक्षिका श्रीमती रेनू एवं विभाग की शिक्षिका डॉ0 सुमेधा की विशेष भूमिका रही ।इस अवसर पर श्रीमती सुमन, पूजा, एमएससी एवं पीएचडी की छात्राएं भी उपस्थित रही।

वर्ष 17 अंक 31 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, बुधवार 01 फरवरी 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक नगर छाया

RNI N.UPHIN/2007/27090

आप की आवाज.....

www.nagarchhava.com

7 ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से पहले ऋषिकेश पहंचे कोह

छात्र-छात्राओं की रचनात्मक दक्षता बढ़ाने हेतु हुई कार्यशाला

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर कृषि एवं प्रौद्योगिकि विश्वविद्यालय कानपुर के के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में मानव विकास महाविद्यालय द्वारा अभिभावकों के लिए ÷अपने बच्चे में रचनात्मकता दक्षता बढ़ाएं विषय नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला का आरंभ महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ मुक्ता गर्ग के आशीर्वचनों से हुआ। उन्होंने बच्चों के जीवन में रचनात्मकता के महत्व को उजागर किया।बीएससी सातवें सेमेस्टर की छात्राओं ने पोस्टर के माध्यम से अभिभावकों को रचनात्मकता के विभिन्न आयामों को बताते हुए बच्चों में रचनात्मकता के प्रोत्साहन में माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया एवं संबंधित फोल्डरों का वितरण किया। उन्होंने बताया कि रचनात्मकता न केवल बच्चों की पढ़ाई खेलकूद एवं कैरियर बनाने में सहायक होती है। अपितु वह बालकों के रोजमर्रा के जीवन की समस्याओं का हल निकालने एवं कार्य कुशल बनाने में भी सहायता करती है। बच्चों को प्रश्न पूछने से न रोके और उन्हें घर पर विभिन्न रंगों, खिलौनों और बेकार पड़ी चीजों से नए प्रयोग करने दें। विभाग की शिक्षिका डॉ0 मधुलिका शर्मा ने कार्यक्रम के अंत में सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में नर्सरी शिक्षिका श्रीमती रेनू एवं विभाग की शिक्षिका डॉ0 सुमेधा की विशेष भूमिका रही । इस अवसर पर श्रीमती सुमन, पूजा, एमएससी एवं पीएचडी की छात्राएं भी उपस्थित रही।

छात्र–छात्राओं की रचनात्मक दक्षता बढ़ाने हेतु हुई कार्यशाला

(अनवर अशरफ)

कानपुर चंद्रशेखर कृषि एवं प्रौद्योगिकि विश्वविद्यालय कानपुर के के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में मानव विकास महाविद्यालय द्वारा अभिभावकों के लिए ष्अपने बच्चे में रचनात्मकता दक्षता बढ़ाएं विषय नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला का आरंभ महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ मुक्ता गर्ग के आशीर्वचनों से हुआ। उन्होंने बच्चों के जीवन में रचनात्मकता के महत्व को उजागर किया।बीएससी सातवें सेमेस्टर की छात्राओं ने पोस्टर के माध्यम से अभिभावकों को रचनात्मकता के विभिन्न आयामों को बताते हुए बच्चों में रचनात्मकता के प्रोत्साहन में माता–पिता की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया एवं संबंधित फोल्डरों का वितरण किया। उन्होंने बताया कि रचनात्मकता न केवल बच्चों की पढ़ाई खेलकूद एवं कैरियर बनाने में सहायक होती है। अपितु वह बालकों के रोजमर्रा के जीवन की समस्याओं का हल निकालने एवं कार्य कुशल बनाने में भी सहायता करती है। बच्चों को प्रश्न पूछने से न रोके और उन्हें घर पर विभिन्न रंगों, खिलौनों और बेकार पड़ी चीजों से नए प्रयोग करने दें। विभाग की शिक्षिका डॉ० मधुलिका शर्मा ने कार्यक्रम के अंत में सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में नर्सरी शिक्षिका श्रीमती रेनू एवं विभाग की शिक्षिका डॉ० सुमेधा की विशेष भूमिका रही । इस अवसर पर श्रीमती सुमन, पूजा, एमएससी एवं पीएचडी की छात्राएं भी उपस्थित रही।

(हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, बुधवार, 1 फरवरी 2023 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

छात्र-छात्राओं की रचनात्मक दक्षता बढ़ाने हेतु हुई कार्यशाला

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

चंद्रशेखर कृषि एवं प्रौद्योगिकि विश्वविद्यालय कानपुर के के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में मानव विकास महाविद्यालय द्वारा अभिभावकों के लिए ÷अपने बच्चे में रचनात्मकता दक्षता बढ़ाएं विषय नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला का आरंभ महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ मुक्ता गर्ग के आशीर्वचनों से हुआ। उन्होंने बच्चों के जीवन में रचनात्मकता के महत्व को उजागर किया।बीएससी सातवें सेमेस्टर की छात्राओं ने पोस्टर के माध्यम से अभिभावकों को रचनात्मकता के विभिन्न आयामों को बताते हुए बच्चों में रचनात्मकता के प्रोत्साहन में माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया एवं संबंधित फोल्डरों का वितरण किया। उन्होंने बताया कि रचनात्मकता न केवल बच्चों की पढ़ाई खेलकूद एवं कैरियर बनाने में सहायक होती है। अपितु वह बालकों के रोजमर्रा के जीवन की समस्याओं का हल निकालने एवं कार्य कुशल बनाने में भी सहायता करती है। बच्चों को प्रश्न पूछने से न रोके और उन्हें घर पर विभिन्न रंगों, खिलौनों और बेकार पड़ी चीजों से नए प्रयोग करने दें।

विभाग की शिक्षिका डॉ0 मधुलिका शर्मा ने कार्यक्रम के अंत में सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में नर्सरी शिक्षिका श्रीमती रेनू एवं विभाग की शिक्षिका डॉ0 सुमेधा की विशेष भूमिका रही । इस अवसर पर श्रीमती सुमन, पूजा, एमएससी एवं पीएचडी की छात्राएं भी उपस्थित रही।